No. of Printed Pages : 4

MGPE-008

01323

M.A. IN GANDHI AND PEACE STUDIES

Term-End Examination

December, 2014

MGPE-008 : GANDHIAN APPROACH TO PEACE AND CONFLICT RESOLUTION

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Answer in all **five** questions, selecting at least **two** from each section. Answer should not exceed **500** words limit. All questions carry **equal** marks.*

SECTION - I

1. Describe Gandhi's views on Community conflict and his vision of Community peace.

2. Sketch briefly Gandhi's ideas on world federation and a peaceful world.

3. 'Conflict is not intrinsic to human beings; its expression depends on, factors external to the individual'. Explain.

4. Describe western approaches to negotiation and mediation.

5. It is said that the Gandhi's approach to conflict resolution is *satyagraha*. Explain its principles and processes.

SECTION - II

6. Write a note on Self-employed Women's Association (SEWA)

7. Explain the meaning and purpose of 'fasting' as defined by Gandhi and how it served as a strategy for conflict resolution ?

8. Attempt a comparative assessment of the conflict in Kashmir and in the North-east and point out where the Gandhian approach is likely to yield resolution.

9. Explain the rationale behind India's involvement in the Sri Lankan 'ethnic' conflict. Highlight its merits and limitations.

10. What in your view are the major challenges to nation-building in Bhutan, Myanmar and Tibet ? Explain.

एम.ए. (गांधी और शांति अध्ययन)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2014

एम.जी.पी.ई.-008 : शांति और द्वंद्व समाधान की गांधीवादी दृष्टिकोण

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***कुल पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम-से-कम* ***दो*** *प्रश्नों को चुनिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

भाग - I

1. समुदाय संघर्ष पर गांधी के विचार और उनकी समुदाय शांति की दृष्टि का वर्णन कीजिए।

2. विश्व संघ और एक शांति पूर्ण विश्व पर गाँधी के विचारों को संक्षेप में रूपरेखा दीजिए।

3. संघर्ष मानव के अन्तर में नहीं होता है, यह व्यक्ति के बाहरी कारकों पर निर्भर अभिव्यक्ति है। स्पष्ट कीजिए।

4. समझौता और मध्यस्था के पश्चिमी दृष्टिकोणों का वर्णन कीजिए।

5. यह कहा जाता है कि गाँधी का संघर्ष समाधान का दृष्टिकोण *सत्याग्रह* है। इसके सिद्धांत और प्रक्रियाओं को स्पष्ट कीजिए।

भाग - II

6. महिला स्व-रोज़गार एसोसिएशन (सेवा) पर टिप्पणी लिखिए।

7. गांधी द्वारा परिभाषित *अनशन* के अर्थ और उद्देश्य स्पष्ट कीजिए और यह किस प्रकार से संघर्ष समाधान के लिए एक रणनीति के रूप में अपनाया जाता है?

8. कश्मीर में और उत्तर-पूर्व में संघर्षों का तुलनात्मक मूल्यांकन कीजिए और इंगित कीजिए कि कहाँ पर गांधीवादी दृष्टिकोण से समाधान किया जा सकता है।

9. श्रीलंका में 'नृजातीय' संघर्ष में भारत की संबद्धता के पीछे प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए। इसके गुण-दोष और सीमाओं पर प्रकाश डालिए।

10. भूटान, म्यांमार और तिब्बत में राष्ट्र-निर्माण की आपके विचार में प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं? स्पष्ट कीजिए।